The aim of the scheme is to increase the production of Virginia Flue-Cured tobacco by covering larger areas as also increasing the per acre yield. It is also takes into consideration the production of tobacco of right quality conforming to the standards required in the international markets. As the farmers in the new-light. Soil-areas are growing tobacco for the first time, certain incentives as also suitable financial assistance are provided to them. The incentives include subsidies on the contruction of barns, wells, insecticides, pesticides and seedlings etc. An amount of Rs. 4,000/- per barn for the construction of barns in new areas is given to the cultivators as a long-term-loan. Besides this a cultivator is also eligible for loan for the construction of wells at the agencies under the Minor Irrigation Programme in the States.

During 1966-67 and 1967-68 a total area of about 7,000 acres was covered under this scheme in the above mentioned States. During 1968-69 the scheme has covered an area of about 15,000 acres against a target of 10,000 acres. An expenditure of Rs. 2.11 lakhs was incurred under the scheme during 1966-67. In 1967-68 by expenditure incurred was of the order of Rs. 30.16 lakhs. The amount sanctioned for the current year is Rs. 56.50 lakhs.

In view of the useful results achieved under the scheme it is being continued during the Fourth Plan. All the incentives and other items of assistance will be the same as at present with the exception of the loan amount for the construction of barns which will now come from the institutional agencies.

समाचार पत्रों को साथ ही साथ अंग्रेजी तथा हिन्दी की विज्ञप्तियां देना

2873. **श्री राम चरण :**
श्री ओम प्रकाश त्यागी :

क्या सूचना और प्रसारण तथा संचार मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या समाचारपत्र सूचना विभाग द्वारा समाचार पत्रों को विज्ञप्तियां हिन्दी तथा अंग्रेजी में साथ ही साथ तैयार करने का आदेश देने का सरकार का विचार है,

(ख) यदि हां, तो ये आदेश कब तक जारी कर दिये जायेंगे और क्या इस सम्बन्ध में कोई योजना तैयार की गई है, और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री इ० कु० गुजराल) : (क) से (ग). भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों को प्रशासनिक अनुदेश पहले ही जारी कर दिये गये है कि वे पत्र सूचना कार्यालय को मूल सामग्री हिन्दी तथा अंग्रेजी साथ-साथ दें ताकि पत्र सूचना कार्यालय हिन्दी और अंग्रेजी में एक साथ प्रेस संवाद जारी कर सके। तथापि ऐसे मौके आते हैं जबकि मूल सामग्री सूचना अंग्रेजी में प्राप्त होती हैं और इस कारण प्रेस संवाद अंग्रेजी में तैयार करने पड़ते हैं और उसके बाद हिन्दी रिलीजों के लिए हिन्दी में अनुदित होते हैं इसके साथ ही पत्र सूचना कार्यालय के हिन्दी एकक में स्टाफ कम होने के कारण हिन्दी में प्रेस संवाद जारी करने में बहुधा देर हो जाती है। इस मामले पर पुनर्विलोकन किया जा रहा है ताकि जितनी जल्दी हो सके देरी की शिकायत को दूर कर दिया जाये।

आकाशवाणी का 'दक्षिण' कार्यक्रम

2874. **श्री ओम प्रकाश त्यागी :**
श्री राम चरण :

क्या सूचना और प्रसारण तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 'दक्षिण' रूपक कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तर भारत में आकाशवाणी के केन्द्रों से दक्षिण भारत के लोगों के साहित्य, संस्कृति तथा जीवन से सम्बन्धित 15 मिनट का दैनिक कार्यक्रम प्रसारित करने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो उक्त कार्यक्रम किस तारीख से प्रसारित किये जाने की संभावना है; और

(ग) यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कठिनाइयां अनुभव की हैं ?

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री इ० कु० गुजराल) :

(क) अभी तक ऐसा कोई निर्णय नहीं किया गया है।

(ख) सवाल नहीं उठता।

(ग) आकाशवाणी के केन्द्र अपने राज्य-क्षेत्र के बाहर के लोगों के साहित्य, संस्कृति तथा जीवन से सम्बन्धित कार्यक्रम पहले ही प्रसारित कर रहे हैं। तथापि, भाग (क) में उल्लिखित रूपक कार्यक्रम चालू करने का सुझाव आकाशवाणी के अधिकारियों के विचाराधीन है।

पत्र सूचना कार्यालय में हिन्दी अधिकारी

2875. **श्री मोलहू प्रसाद :**
श्री राम चरण :
श्री ओम प्रकाश त्यागी :

क्या **सूचना और प्रसारण तथा संचार** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पत्र सूचना कार्यालय में हिन्दी तथा अंग्रेजी के अधिकारी तथा अन्य कर्मचारी कितने कितने हैं;

(ख) उनके वेतनमान क्या-क्या हैं,

(ग) क्या सभी प्रेस-रिपोर्ट हिन्दी में भी जारी करने की दृष्टि से हिन्दी अधिकारियों तथा अन्य कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि करने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री इ० कु० गुजराल) : (क) पत्र सूचना कार्यालय न्यूजरीलीज तथा प्रचार सामग्री अंग्रेजी के अतिरिक्त हिन्दी तथा 12 अन्य भारतीय भाषाओं में जारी करता है। जबकि कुछ पदों के लिए किसी न किसी भारतीय भाषा में प्रवीणता की आवश्यकता होती है, दूसरे पदों पर जो व्यक्ति हैं, जिनमें कई ऐसे व्यक्ति भी शामिल हैं जो किसी न किसी भारतीय भाषा में निपुण है और केवल अंग्रेजी में प्रचार सामग्री ही तैयार नहीं करते बल्कि अन्य कार्य भी देखते हैं जिसमें योजना बनाना, बहुभाषी प्रचार की देखभाल करना, जनसम्पर्क आदि का कार्य भी शामिल है। अतएव, यह अंग्रेजी के अधिकारियों और कर्मचारियों को अलग-अलग श्रेणी बद्ध करना सम्भव नहीं है। पत्र सूचना कार्यालय में जिन पदों में हिन्दी में प्रवीणता की आवश्यकता है, वे केन्द्रीय सूचना सेवा के निम्नलिखित ग्रेडों में हैं :—

प्रथम ग्रेड :-700-40-1100-50/2-1250 रुपये

द्वितीय ग्रेड :-400-400-450-30-60 -35-670-द० अ०-35-950 रुपये

तृतीय ग्रेड :-350-25-500-30-590-द० अ०-30 800 रुपये

चतुर्थ ग्रेड :-270-10-290-15-410-द० अ० 15-485 रुपये

प्रथम ग्रेड में एक, द्वितीय। तृतीय ग्रेड में नौ तथा चतुर्थ ग्रेड में कुल 20 कर्मचारी है।

(ख) उन पदों के, जिनके लिए हिन्दी में प्रवीणता की आवश्यकता है, वेतनमान भी वही है, जो केन्द्रीय सूचना सेवा के प्रत्येक ग्रेड के अन्य पदों के हैं।

(ग) हिन्दी के प्रचार कार्य में सुधार करने के लिये पत्र सूचना कार्यालय के मुख्यालय में वर्तमान हिन्दी एकक में कर्मचारियों की संख्या में निम्न प्रकार से वृद्धि करने का एक प्रस्ताव विचाराधीन है :—

उप प्रधान सूचना अधिकारी :-एक, 1100-1400 रुपये। 1300-1600 रुपये

सूचना अधिकारी :-तीन, 700-1250 रुपये

सूचना सहायक : तीन, 270-485 रुपये

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

आकाशवाणी के संवाददाता

2876. **श्री ओम प्रकाश त्यागी :**
श्री मोलहू प्रसाद :

क्या **सूचना और प्रसारण तथा संचार** मंत्री यह बतानें की कृपा करेंगे कि :

(क) आकाशवाणी के संवाददाताओं की